

अभ्यास - 1: जमा करने की तारीख और समय : 14 अगस्त की कक्षा से पहले तक

सवालों पर आपस में चर्चा कर सकते हैं, पर लिखते हुए एक दूसरे से नकल न करें। शब्दों के अर्थ <https://www.shabdkosh.com/> या <https://dict.hinkhoj.com/> जैसी साइट्स पर मिल जाएँगे।

क) नीचे दो कविताएँ दी गई हैं। पहली कविता के दो हिस्से हैं। दूसरी कविता पूरी नहीं है - कुछ लाइनें दी गई हैं। इन पर तुलनात्मक विवेचन (comparative analysis) करें।

रात्रि - शमशेर बहादुर सिंह

एक
मैं मीच कर आँखें
कि जैसे क्षितिज
तुमको खोजता हूँ।

दो
ओ हमारे साँस के सूर्य!
साँस की गंगा
अनवरत बह रही है।
तुम कहाँ डूबे हुए हो?

संध्या-सुंदरी - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

दिवसावसान का समय
मेघमय आसमान से उतर रही है
वह संध्या-सुंदरी परी-सी
धीरे धीरे धीरे
तिमिरांचल में चंचलता का नहीं कहीं आभास,
मधुर-मधुर हैं दोनों उसके अधर,—
किंतु गंभीर,—नहीं है उनमें हास-विलास।
हँसता है तो केवल तारा एक
गुँथा हुआ उन घुँघराले काले बालों से,
हृदय-राज्य की रानी का वह करता है अभिषेक।
अलसता की-सी लता
किंतु कोमलता की वह कली,
सखी नीरवता के कंधे पर डाले बाँह,
छाँह-सी अंबर-पथ से चली।
नहीं बजती उसके हाथों में कोई वीणा,
नहीं होता कोई अनुराग-राग आलाप,
नुपुर्णों में भी रुन-झुन रुन-झुन रुन-झुन नहीं,
सिर्फ एक अव्यक्त शब्द-सा “चुप चुप चुप”
है गूँज रहा सब कहीं,—
व्योममंडल में—जगती-तल में—
...
सिर्फ एक अव्यक्त शब्द-सा “चुप चुप चुप”
है गूँज रहा सब कहीं,—
और क्या है? कुछ नहीं। ...

कुछ बिंदुओं को नीचे लिखा गया है। इनके अलावा दोनों कविताओं पर और कुछ भी आप सोच पाएँ तो लिखें।

1. क्या दोनों कविताएँ एक ही विषय पर हैं?
2. निराला की कविता ज़रा लंबी है। क्या शमशेर की छोटी कविता में वे भाव आ जाते हैं, जिनको कवि पेश करना चाहता है? क्या शमशेर ने जानबूझकर कविता को छोटा रखा होगा - क्या इससे किसी खास बात पर ज्यादा तवज्जोह (ध्यान) होता है?
3. भाषा और शैली के नज़रिए से दोनों कविताओं में कैसे फ़र्क दिखते हैं?

(ख) ‘टोबा टेक सिंह’ कहानी में से ऐसे पाँच शब्द चुनें, जो आपने पहली बार पढ़े हैं। इनका अर्थ लिखें और इनसे एक-एक वाक्य बनाएँ।